



एनटीपीसी की जैव विविधता नीति

प्रलिस के लिये:

जैवविविधता, NTPC, जैवविविधता, कुनमगि घोषणा, जैविक विविधता पर कन्वेंशन, प्रकृता के लिये वर्ल्ड वाइड फंड

मेन्स के लिये:

जैवविविधता और इसका महत्त्व, जैवविविधता, जैवविविधता और इसके संरक्षण के लिये की गई पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड \(NTPC लिमिटेड\)](#) ने जैवविविधता के संरक्षण, बहाली और वृद्धि के लिये एक व्यापक दृष्टि व मार्गदर्शक सिद्धांत स्थापित करने के लिये नवीनीकृत जैवविविधता नीति 2022 जारी की है।

- यह एनटीपीसी की पर्यावरण नीति का एक अभिन्न अंग है और इसके उद्देश्य पर्यावरण और स्थिरता नीतियों के साथ संरेखित हैं।

नीति के उद्देश्य

- जैवविविधता लक्ष्य प्राप्त करने के लिये पेशेवरों की सहायता :**
 - इस नीतिको NTPC समूह के सभी पेशेवरों को इस क्षेत्र में निर्धारित लक्ष्यों की उपलब्धि में योगदान करने में मदद के लिये डिज़ाइन किया गया है।
 - NTPC हमेशा उच्चतम जैवविविधता मूल्य वाले क्षेत्रों में संचालन से बचने और विकल्प रूप से परियोजना स्थलों का चयन करने के बारे में सचेत रहा है।
 - कंपनी के पर्यासों को और मज़बूत किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसके वर्तमान में संचालित किसी भी साइट पर जैवविविधता नष्ट न हो तथा जहाँ भी संभव हो एक शुद्ध सकारात्मक संतुलन बना रहे।
- जैवविविधता की अवधारणा को मुख्यधारा में लाना:**
 - इसका मुख्य उद्देश्य NTPC की मूल्य शृंखला में जैवविविधता की अवधारणा को मुख्यधारा में लाना है।
 - इसका उद्देश्य सभी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में जैवविविधता के सतत प्रबंधन के लिये एक एहतियाती दृष्टिकोण अपनाना है ताकि NTPC की व्यावसायिक इकाइयों में तथा उसके आसपास पृथ्वी की विविधता को सुनिश्चित किया जा सके।
- स्थानीय खतरों को संबोधित करना:**
 - इस नीति का उद्देश्य कंपनी की व्यावसायिक गतिविधियों से परे जैवविविधता के लिये स्थानीय खतरों पर व्यवस्थित विचार करना भी है।

NTPC द्वारा उठाए गए अन्य संबंधित कदम:

- जागरूकता बढ़ाना:**
 - NTPC विशेषज्ञों के सहयोग से परियोजना-वशिष्ट और राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण के माध्यम से जैवविविधता के बारे में स्थानीय समुदायों, कर्मचारियों तथा इसके सहयोगियों के बीच जागरूकता बढ़ा रहा है।
- सहयोग के माध्यम से:**
 - एनटीपीसी जैवविविधता के क्षेत्र में स्थानीय समुदायों, संगठनों, नियामक एजेंसियों और राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय ख्याति के अनुसंधान संस्थानों के साथ भी सहयोग कर रहा है।
- कानूनी अनुपालन करना:**
 - एनटीपीसी अपनी परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन के दौरान पर्यावरण, वन, वन्य जीवन, तटीय क्षेत्र और हरित क्षेत्र से संबंधित नियमों और विनियमों का पालन करते हुए जैवविविधता के संबंध में कानूनी अनुपालन करेगा।
- संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर:**
 - एनटीपीसी ने आंध्र प्रदेश के समुद्र तट पर ओलिवि रडिले कछुओं के संरक्षण के लिये आंध्र प्रदेश वन विभाग के साथ पाँच वर्ष के समझौते

पर हस्ताक्षर किये हैं।

जैवविधिता:

परिचय:

- यह पौधों, जानवरों, बैक्टीरिया और कवक सहित पृथ्वी पर जीवित प्रजातियों की विधिता को संदर्भित करती है।
- पृथ्वी की जैव विधिता इतनी समृद्ध है कि कई प्रजातियों की खोज की जानी बाकी है, मानव गतिविधियों के कारण कई प्रजातियों को विलुप्त होने का खतरा है, जिससे पृथ्वी की शानदार जैवविधिता खतरे में है।

महत्त्व:

- **जैवविधिता हॉटस्पॉट:** भारत के पास विश्व का केवल 2.3% भू-भाग है कति यहाँ वैश्विक जैवविधिता का लगभग 8% पाया जाता है। 36 वैश्विक जैवविधिता हॉटस्पॉट में से चार भारत में हैं।
- **आश्चर्यजनक आर्थिक मूल्य:** हालाँकि जैवविधिता द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं का सटीक आर्थिक मूल्य ज्ञात नहीं हो सकता है, फरि भी एक अनुमान के अनुसार, अकेले भारत के वन प्रतविर्ष एक ट्रिलियन रुपए से अधिक की सेवाओं का उत्पादन कर सकते हैं।
 - इसके अलावा यह कल्पना की जा सकती है कि घास के मैदानों, आर्द्रभूमि, मीठे पानी और समुद्र जैसे प्राकृतिक संसाधनों द्वारा उत्पादित सेवाओं को जोड़ लिया जाए तो इसका मूल्य कतिना बढ़ जाएगा।
- **प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा:** भूमि, नदियों और महासागरों में विभिन्न पारस्थितिकी तंत्र हमारे खाद्य शृंखला को मज़बूत बनाते हैं, हमें पोषण प्रदान करते हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा को बढ़ाते हैं एवं हमें पर्यावरणीय आपदाओं से बचाते हैं।
- **आध्यात्मिक उत्थान:** हमारी जैवविधिता आध्यात्मिक उत्थान के एक सतत् स्रोत के रूप में भी कार्य करती है, जो हमारे शारीरिक और मानसिक कल्याण से घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है।

संबंधित पहल:

- **भारत:**
 - **इंडिया बजिनेस एंड बायोडायवर्सिटी इनशिएटिव (IBBI):** यह व्यवसायों और इसके हतिधारकों के लिये संवाद साझा करने और सीखने हेतु एक राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करता है, जो अंततः व्यवसायों में जैवविधिता के स्थायी प्रबंधन को मुख्यधारा में लाता है।
- **वैश्विक:**
 - [कृमिगि घोषणा](#)
 - [जैवविधिता पर अभिसमय](#)
 - [वन जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन](#)
 - [प्राकृतिक संरक्षण हेतु विश्वव्यापी नधि](#)

एनटीपीसी लमिटिड:

- एनटीपीसी 68,961.68 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ भारत की सबसे बड़ी बजिली कंपनी है और 2032 तक 130 गीगावाट की क्षमता प्राप्त करने की योजना है।
- 1975 में स्थापित एनटीपीसी का लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अच्छी बजिली कंपनी बनना है।
- एनटीपीसी के पास व्यापक पुनर्वास और पुनर्स्थापन व [कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व \(CSR\)](#) नीतियाँ हैं जो बजिली परियोजनाओं की स्थापना और बजिली उत्पादन के अपने मुख्य व्यवसाय के साथ अच्छी तरह से एकीकृत हैं।
- कंपनी नवोन्मेषी पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के साथ कई ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को अनुकूलित करके एक सतत् तरीके से प्रतस्पर्धी कीमतों पर विश्वसनीय बजिली का उत्पादन करने के लिये प्रतबिद्ध है, इस प्रकार एनटीपीसी राष्ट्र के आर्थिक विकास और समाज के उत्थान में योगदान दे रहा है।

वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन सा भौगोलिक क्षेत्र की जैवविधिता के लिये खतरा हो सकता है? (2012)

1. ग्लोबल वार्मिंग
2. आवास का खंडीकरण
3. वदेशी प्रजातियों का आक्रमण
4. शाकाहार को बढ़ावा देना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करे सही उत्तर का चयन कीजिये:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: A

- संयुक्त राष्ट्र पृथ्वी शिखर सम्मेलन (1992) के अनुसार, जैवविविधता को 'स्थलीय, समुद्री और अन्य जलीय पारस्थितिक तंत्रों तथा पारस्थितिक परिसरों सहित सभी स्रोतों से जीवित जीवों के बीच परिवर्तनशीलता के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसका वे एक हिस्सा हैं, इसमें प्रजातियों के साथ, प्रजातियों के बीच और पारस्थितिक तंत्र की विविधता शामिल है।
- जैवविविधता हेतु खतरा:
- वखिंडन, कषरण और नविस स्थान का नुकसान। अतः कथन 2 सही है।
- आनुवांशिक विविधता में कमी।
- आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ। अतः कथन 3 सही है।
- वन संसाधन में कमी।
- जलवायु परिवर्तन और मरुस्थलीकरण। अतः कथन 1 सही है।
- संसाधनों का अत्यधिक दोहन।
- विकास परियोजनाओं का प्रभाव।
- प्रदूषण का प्रभाव। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

प्रश्न. जैवविविधता नमिनलखिति तरीकों से मानव अस्तित्व के लिये आधार बनाती है: (2011)

1. मृदा का निर्माण
2. मृदा कषरण की रोकथाम
3. अपशष्ट का पुनर्चक्रण
4. फसलों का परागण

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिये:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: D

व्याख्या:

- मानव जीवन पारस्थितिक सेवाओं से अटूट रूप से जुड़ा हुआ है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मनुष्यों को विभिन्न तरीकों से लाभान्वित करता है। मृदा निर्माण, अपशष्ट नपिटान, वायु और जल शोधन, सौर ऊर्जा अवशोषण, पोषक चक्रण और खाद्य उत्पादन सभी जैवविविधता पर निर्भर करते हैं। अतः कथन 1 सही है।
- सूक्ष्मजीव अपशष्ट और नमिनकरणीय पदार्थों पर क्रिया कर उन्हें पुनः चक्रित करते हैं और पर्यावरण को शुद्ध करते हैं। अतः कथन 3 सही है।
- मधुमक्खियों और अन्य जीवों द्वारा परागण क्रिया, खाद्य उत्पादन में सहायता करना। अतः कथन 4 सही है।
- जीव-जंतुओं का जीवन बढ़ने के साथ-साथ इसे मट्टि के कटाव को रोकने के लिये जाना जाता है, जबकि पेड़-पौधे मट्टि को बारिश के प्रभाव से बचाने व मट्टि को बाँध कर कटाव की दर और मृदा अपरदन की दर को कम करते हैं। इस प्रकार सामान्य तौर पर ये जैवविविधता की रक्षा करते हैं अतः कथन 2 सही है।
- उच्च जैवविविधता जैविक समुदायों को पर्यावरणीय तनाव का बेहतर ढंग से समाधान करने और नमिन जैवविविधता वाले नकियों की तुलना में अधिक तीव्रता से स्वस्थ पारस्थिकी के निर्माण में सहायता करती है। अतः, विकल्प (D) सही है।

प्रश्न. नमिनलखिति क्षेत्रों पर वचिर कीजिये: (2009)

1. पूर्वी हिमालय
2. पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र
3. उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया

उपर्युक्त में से कौन-सा/से जैव विविधता हॉटस्पॉट है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (B)

- जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिये एक क्षेत्र को दो महत्त्वपूर्ण मानदंडों को पूरा करना होगा:
- पृथ्वी पर कहीं भी पाए जाने वाले संवहनी पौधों की कम-से-कम 1,500 प्रजातियाँ शामिल हैं (जन्हें "स्थानिक" प्रजातियों के रूप में जाना जाता है)।
- प्राथमिक देशी वनस्पति का कम-से-कम 70% विलुप्त हो चुका है। **ये पूर्वी हिमालय पूर्वी नेपाल से पूर्वोत्तर भारत, भूटान, तबिबत स्वायत्त क्षेत्र में चीन और उत्तरी म्याँमार में युन्नान तक फैला हुआ है।** इसे व्यापक रूप से एक जैवविविधता हॉटस्पॉट माना जाता है जिसमें असाधारण मीठे पानी की जैवविविधता तथा पारस्थितिक तंत्र शामिल हैं जो स्थानीय व क्षेत्रीय आजीविका के लिये महत्त्वपूर्ण हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- **पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र (पूर्वी तुर्की) को भूमध्यसागरीय बेसिन जैवविविधता हॉटस्पॉट के रूप में जाना जाता है और यह दुनिया के 36 जैवविविधता हॉटस्पॉट में से एक के रूप में पहचाना जाता है, जो पृथ्वी के सबसे जैविक रूप से समृद्ध क्षेत्र हैं। अतः कथन 2 सही है।**
- उत्तर पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया जैवविविधता हॉटस्पॉट नहीं है। दक्षिण-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया एक जैवविविधता हॉटस्पॉट है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- **अतः विकल्प (B) सही उत्तर है।**

स्रोत: पी.आई. बी.

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ntpc-biodiversity-policy>

